राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2240
फुंकार
नागराज

पृथ्वी पर मौजूद कई अदृश्य शक्तियां हम पर हर वक्त प्रभाव डालती रहती हैं। सूर्य के विकिरण ब्रह्मांडीय धूल, चुम्बकीय क्षेत्र, रेडियो तरंगे और न जाने क्या-क्या...
इन सबका सम्मिलित प्रभाव हमारे शरीर के साथ-साथ पृथ्वी पर मौजूद हर वस्तु और यहां तक कि पृथ्वी पर भी ऐसे प्रभाव डालता है जो अंजाने होने के साथ-साथ अकल्पनीय भी हैं। इनसे आपको न तो नागराज के सर्प बचा सकते हैं और न ही ब्रह्मांड के सबसे घातक विष से भरी उसकी...
फुंकार
संजय गुप्ता की पेशकश
समें सबसे खतरनाक असर हो सकता है, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का-
क्योंकि यह क्षेत्र हमको हर वक्त हर दिशा से घेरे रखता है-
और हमारे काफी करीब रहता है-
और इसका सबसे पहला शिकार बनता है - दिमाग -

कथा : जॉली सिन्हा
तुमको मेरे साथ चलना ही होगा, नागराज!
दूसरी दुनिया में!
दूसरी दुनिया?
यानी... मौत के पार की दुनिया?
यही समझ लो! क्योंकि उसके बाद तुम इस दुनिया वालों के लिए मर चुके होगे!
तुम्हारी शक्तियाँ मुझ पर असर नहीं करेंगी!
मैं ऐसा नहीं कर सकता! मुझे ये दुनिया छोड़ने पर कोई मजबूर नहीं कर सकता! इसकी रक्षा मेरा कर्तव्य है! और नागराज अपने कर्तव्य से कभी विमुख नहीं होता!
इंकिंग : विनोद कुमार
चित्र : अनुपम सिन्हा
मैं भी नहीं होती! और मेरा कर्तव्य है, तुमको इस दुनिया से ले जाना!
अब तुम्हें मेरे साथ...

चलना ही होगा नागराज!
चलो!
तू चलेगा नागराज! चाहे अपनी मर्जी से... या मेरी मर्जी से!
डिजिटल कलर: अनवर हुसैन
सुलेख एवं रंग : सुनील पाण्डेय
इसकी... शक्ति... असीमित है...
...देव कालजयी! मुझे बचाओ!
बचाओ!
नहीं! मैं पृथ्वी लोक छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा! कहीं नहीं...
मैं तुमको बचाऊंगा!
तुम! तुम कौन हो?

अपने आपको ही नहीं पहचानते हो, नागराज?
ये तो मुझे भी नहीं पहचानता।
आऽऽऽऽऽऽह
सम्पादक : मनीष गुप्ता
आऽऽऽऽऽऽऽऽ
आऽऽऽऽ
?

ओह! मैं तो राज के अपार्टमेंट में हूं! शुक्र है भगवान का कि ये सिर्फ एक सपना था!
पर इतना अजीबोगरीब सपना मैंने कभी नहीं देखा! शायद मैंने सोने से पहले कोई गलत चीज खा ली थी!
या शायद...
ट्रिं ट्रिं
अरे! सुबह के चार बजे राज को कौन याद कर रहा है?
राज?
भारती, तुम इतनी घबराई हुई क्यों हो?
दादाजी! दादाजी को चोट लगी है! तुम जल्दी आ जाओ!
म...मैं अभी आया!
कुछ अजीब सा हो रहा है! आसमान में रोशनियां चमक रही हैं! पर क्यों?
खैर, अभी तो मुझे भारती के पास पहुंचना है! पर दादाजी को चोट लगी कैसे? उनको तो खतरों का पहले से आभास हो जाता है!
वैसे भी, आंखें न होने के बावजूद भी वे तरंगों के माध्यम से हर चीज देख सकते हैं!

मुसीबत तो निश्चित तौर से अपना सिर उठा रही थी! और इससे किसी का नुकसान होने वाला था-
तो किसी को फायदा भी होने वाला था-
यही मौका है! आज हम सब इस 'शेल-जेल' से बाहर होंगे!
लेकिन अगर हम शेल से बाहर निकलने में कामयाब हो भी गए तो भी फायदा क्या है?
वह हमको पकड़कर फिर से इस 'मैग्नेटिक-शेल' की कैद में डाल देगी!
उसकी तो मैं...
श श श! धीरे बोलो। सुना है कि वह कहीं से भी कुछ भी सुन सकती है!
उसकी शक्तियों से हम पार नहीं पा सकते!
मेरे पास उसकी शक्तियों का इलाज है! बस, पहले हमको किसी तरह से शेल के 'एयर कंट्रोलर' सिस्टम तक पहुंचना है!

उस पर तो कड़ा पहरा रहता है! वर्ना अब तक तो हम उसमें मूर्छा का रसायन मिलाकर गार्डस को बेहोश कर देते और आजाद हो चुके होते!
पहरा रहता है! लेकिन 'वायुनियंत्रक' के सिर्फ उसी हिस्से पर जो 'ज़ेल' के अंदर की वायु को नियंत्रित करता है!
उस हिस्से पर नहीं, जो अंदर की वायु की गंदगी को खींचकर बाहर के वायुमंडल में फेंकता है!
ये तो सही है! पर मशीन के उस हिस्से के जरिए हम 'ज़ेल' के अंदर कोई खतरा कैसे पैदा कर सकते हैं!
उस हिस्से का प्रयोग हम 'ज़ेल' से बाहर खतरा पैदा करने के लिए करेंगे!
'ज़ेल' से भागने के लिए तो हम उस 'मैग्नेटिक वेव मशीन' पर कब्जा करेंगे जो ज़ेल के द्वारों को मैग्नेटिक शील्ड के द्वारा लॉक रखता है! कुछ समझ आया?
नहीं!
तो सुन! पहले हमको एयर कंट्रोलर के इंजेक्शन सिस्टम तक पहुंचना है!
ज़ेल के एयर कंट्रोलर का इंजेक्शन सिस्टम किसी भी दृष्टि से संवेदनशील स्थान नहीं था-
ये समझ में आ गया! आओ!
इसीलिए उस पर ज्यादा सख्त पहरे की जरूरत समझी ही नहीं गई थी-

गुड! अब मैं इस क्रिस्टल के चूरे को सिस्टम में डालूंगी, और यहां की तेज हवा इस चूरे को बाहर के वातावरण में बिखेर देगी!
उससे क्या होगा?
ये चूरा हवा से शक्तिदायी रसायनों को सोख लेगा, और...
...और हमारा दुश्मन कमजोर हो जाएगा! पर...पर इतना सा चूरा इतने बड़े वातावरण से उन रसायनों को साफ कैसे करेगा?
करेगा! इस खास केमिकल को मैंने एक मोटी रकम की घूस देकर जेल में मंगवाया है!
अब देखो इसका तमाशा!
"अब पृथ्वी के वातावरण में सांस लेने वालों की खैर नहीं है-"
पता नहीं ये पृथ्वी के किस भाग पर मौजूद स्थान था-
पर यहां पर स्थिति भयावह होती जा रही थी-
ओऽऽऽह!
खौं खौं! मेरे हाथ-पैर एकाएक कांप क्यों रहे हैं?
कोई मुझे थोड़ा सा जहर दे दो! जल्दी करो!

और यहां पर भी स्थिति बेकाबू थी-
भारती! क्या हुआ दादा वेदाचार्य को?
आऽऽऽह!
धड़ाक
कौन है? कौन घुस आया है मेरे निवास में!
तब तो इन्हें अपने आपको और नुकसान पहुंचाने से रोकना होगा! इनको शांत करना होगा! इनको 'ट्रेंक्विलाइजर' देकर सुलाना होगा!
फुऽऽऽ
मैं दूंगा! ये क्षीण 'विष फुंकार' इनको कुछ देर के लिए सुलाकर इनके दिमाग को शांत कर देगी!
दादाजी! ये मैं हूं! नागराज!
कोई फायदा नहीं, नागराज! ये बहुत उत्तेजित हैं! कुछ सुन ही नहीं रहे हैं!
पर ट्रेंक्विलाइजर की दवा या इंजेक्शन इनको देगा कौन?

ओह! थैंक्स, नागराज! मुझे तो समझ में ही नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं?
अपने सिर के साथ-साथ ये घर की आधी चीजें तोड़ चुके हैं!
इनका इतना अजीब व्यवहार मैंने कभी नहीं देखा!
सभी तरफ अजीब सा हो रहा है!
बाहर आसमान में अजीब सी रोशनियां चमक रही हैं!
और आज रात ही मैंने जिन्दगी का सबसे अजीब सपना देखा!
मैंने सपने में अपना ही स्त्री और बालरूप देखा! स्त्री रूप मुझे किसी दूसरी दुनिया में ले जाना चाहता था और बालरूप मुझे बचा रहा था!
पता नहीं ऐसा सपना मैंने क्यों देखा?
पर वह सपना एकदम असली लग रहा था!
क्या इस सपने का कोई अर्थ है?
अर्थ है, नागराज! तुमने शायद भविष्य देखा है!
दादाजी! आप होश में आ गए! और शांत भी हो गए हैं!
हां, नागराज! और मैं अपने व्यवहार के लिए माफी भी मांगना चाहता हूं!
दरअसल मैं चारों तरफ एक अद्भुत ऊर्जा को महसूस कर रहा हूं! ये ऊर्जा मेरे देखने और सुनने की तिलिस्मी शक्तियों पर बुरा असर डाल रही है!
तुम पर भी शायद इसी ऊर्जा ने असर डाला है!
और तुम्हारे मस्तिष्क के इच्छाधारी केंद्र को अत्यधिक सक्रिय कर दिया है!

इसीलिए तुमको भविष्य सपने के रूप में दिख रहा है!
यकीन नहीं होता! पर ये ऊर्जा आ कहां से रही है?
शायद यहां से?
रंग की ये बदबू मुझसे सही नहीं जा रही है!
ये रंग नहीं है मूर्ख! ये 'रिफ्लेक्टिव लिक्विड' की परत है!
ये हमको गॉर्ड्स की नजरों में आने से बचाए रखेगी!
और हम आराम से 'मैग्नेटिक चैम्बर' तक पहुंच जाएंगे।
समझ में नहीं आता कि तुम्हारे जैसी ब्रिलियेंट साइंटिस्ट ज़ेलजेल में क्या कर रही है?
मुझे भी नहीं पता! बस, सिटी सेंटर में मेरी एक 'केमिकल ड्रॉप' से एक छोटा सा ब्लास्ट हो गया! एक मामूली सा इंसान मर गया और इन गधियों ने मुझे यहां बंद कर दिया!
पर बस, अब और नहीं! आज सरानी इस कैद से बाहर होगी!
ज़ेलजेल से बाहर!
क्योंकि तुम्हारी इस हरकत के लिए तुमको 'डार्क सेल' में भेजना पड़ेगा!
और वह जगह ज़ेलजेल से बाहर एक पर्वत की चोटी पर है!
बिलकुल सही!
तुम... तुम लोगों ने हमें देख कैसे लिया?
देखा नहीं! सेंस किया! हीट सेंसर की मदद से!

तुम हमारे 'विजन-स्पेक्ट्रम' से बच सकती हो!
पर 'इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रम' से नहीं! ये तुम्हारे बदन की गर्मी को भाँपकर तुमको कभी अदृश्य नहीं होने देगा!
NO Trespassing
ऐसा है तो फिर...
...हीट सेंसर्स को अदृश्य होना पड़ेगा!
पीछे हटो! इसके पास फोटॉनगन कैसे आई? इसका तो एक मामूली ब्लास्ट लगभग हर चीज को प्रकाश कणों में बदल सकता है!
हमको 'फोटॉनप्रूफ सूट पहनकर आना पड़ेगा!
फोटॉनगन बनाना तो मामूली सा काम है! बस एक मोबाइल फोन, एक हाई पॉवर हीलियम लैंप और एक मामूली सा डायमंड जैसा मेरी उंगली में हमेशा लगा रहता है!
रास्ता साफ है, मीस! मैग्नेटिक फील्ड को बंद करके सारे दरवाजे खोल दो! सेल के दरवाजे, कॉरीडोर की ग्रिल्स और बाहर जाने वाले टाइटेनियम डोर्स!
अभी लो, सरानी मैम!

अब... अरे! यहां पर तो ढेर सारे बटन हैं, ढेर सारे हैंडल हैं, स्विच हैं, और इसे क्या कहते हैं? खैर... अब मैं दबाऊं क्या?
सरानी महारानी को अंदर आते-आते समय लगेगा और उतनी देर में शायद गॉड्स फोटॉन प्रूफ ड्रेस पहनकर आ जाएगी!
मुझे खुद ही अपने... वो क्या होता है? हां, दिमाग! दिमाग से काम लेना होगा!
और मेरा दिमाग कहता है कि किसी भी चलती चीज को बंद करने का एक श्योर शॉट तरीका होता है!
उसे तोड़ दो!
अब मेरा दिमाग ये कह रहा है कि मशीन के इस हिस्से को तोड़ देने से 'मेगनेटिक फील्ड जेनरेटर' बंद हो जाएगा!
मीस का दिमाग सही कह रहा था-
लेकिन वह दिमाग यह नहीं जानता था कि उसकी तोड़-फोड़ ने मेगनेटिक फील्ड जेनरेटर को बंद करने के बजाय, तारों को अंदर से जोड़ दिया था-
और अब कई गुना ज्यादा पॉवर मिलने के कारण-

जेनरेटर कई गुना ज्यादा तेजी से घूमने लगा था-
व्हर्र र्र र्र र्र
और उसके द्वारा पैदा की जाने वाली मैग्नेटिक फील्ड की शक्ति भी कई गुना बढ़ गई थी-
और इस प्रचंड ऊर्जा का असर जल्दी ही हर तरफ नजर आने वाला था-
ऊर्जा का स्तर एकाएक बढ़ गया है, नागराज!
ऐसा लग रहा है जैसे दो विपरीत दिशा से आ रही ऊर्जा की प्रचंड लहरें आपस में टकरा रही हों!
खतरे का आभास तो मुझे भी हो रहा है, दादा वेदा...

...चार्य! बचिए!
ये क्या है? दूसरी मंजिल पर वाहन! वह भी अजीब सा! जबकि यहां तो आस-पास कोई फ्लाई ओवर तक नहीं है!
ये हो क्या रहा है?
हे देव कालजयी!
क्या हुआ, नागराज?
बता नहीं सकता आरती! देखो और खुद समझो!
इमारतों के बीच में अजीब सी बिल्डिंगें!
हरियाली के बीच में नए रूप के पेड़!
और वह आसमान में क्या उड़ रहा है?

हर कोई चमत्कृत नहीं था-
ओए! ये कैसी कार है? लगता है किसी कंपनी ने कोई 'टेस्ट' मॉडल निकाला है!
उड़ा लें इसे?
तू मूर्ख ही रहा! ये गाड़ी उड़ा भी लेगा तो बेचेगा किसे?
वो देख! गाड़ी जैसे ही अजीब से दो लोग आ रहे हैं! इनको लूटते हैं!
जो 'टेस्ट मॉडल' खरीद सकता है, उसके पास तो माल भरा होगा!
एक बात बता यार! ये बिल्डिंग कल तो यहां पर नहीं थी!
फिर ये...
तू न हमेशा काम के समय ध्यान बंटाने वाली बात करता है!
इधर ध्यान दे! पहले माल बना!
पार्टी पास आ गई है!
लगता है हम लोग कुछ ज्यादा ही वाइन पी गए थे! हमने तो गाड़ी 'टाइम्स स्क्वेयर' पर पार्क की थी, लेकिन ये जगह कुछ बदली-बदली सी है! काफी कुछ पहचान में नहीं आ रहा है!
ऐसा लगता है जैसे कि हम किसी दूसरे शहर में आ गए...
ये, फैंसी ड्रेस!
फटाफट माल निकाल वर्ना अपुन फटाफट तेरी आंत निकाल डालेगा!
ये अपना ही शहर है! इतनी लूटमार किसी और शहर में कहां?
एक मिनट!

क्या ये महानगर है?
तुझे कहीं और लुटने जाने का है क्या?
ये महानगर ही है!
हुम! पर कई बिल्डिंग्स पहचान में क्यों नहीं आ रही हैं! खैर, अभी पक्का हो जाएगा! तुम हमें लूटने की कोशिश करो!
तो अभी तक अपुन क्या डांडिया खेल रहा था?
माल निकाल या जान निकाल!
जान निकालूं क्या?
गर्दन रेत डालूं क्या?
ये आवाज कैसी है?
पक्का हो गया, डार्लिंग!

...ये महानगर ही है! हम जरूर ज्यादा वाइन पी गए हैं!
तभी मुझे कमजोरी भी लग रही है!
ये... ये क्या हो गया, बॉस?
नागराज औरत कब से बन गया?
मैं! एक पुरूष! क्या तुम नाली के कीड़े मुझे गाली दे रहे हो? ये तो मैं बचपन से जानती हूं कि पुरुषों का दिमाग औरतों से कमजोर होता है, इसीलिए वे कभी औरतों की बराबरी नहीं कर सकते! पर वह दिमाग इतना कमजोर हो सकता है, इसका सुबूत मैं आज ही देख रही हूं!

पर ये बात सच है! महानगर बदल गया है! रातों रात!

लोग कमजोर हो होकर सड़कों पर, घरों में गिर रहे हैं! हवा की महक बदल गई है। कुछ गड़बड़ है! मुझे इस समस्या के स्रोत का पता लगाना होगा!

और उसके लिए मुझे भूल-भुलैया में बदल चुके इस महानगर में विऊलेषी का निवास ढूंढना होगा!

वही मुझे बता सकती है कि इस मुसीबत का कारण और स्रोत क्या है!

ये... ये कौन थी?

महानगर में-

हूम! महानगर के अधिकतर इलाके तो सामान्य हैं, परन्तु कुछ इलाकों में अजीबो-गरीब वस्तुएं नजर आ रही हैं!

और इन वस्तुओं के यहां पर दिखने का कारण इन वस्तुओं के...

टिक्टी ! माल संभाल ! आ गई हरी खाल !
हेलो मिस्टर शीशा खोलिए !
ई ssssss
जबरदस्ती ब्रेक डांस मत कर ! भला इसे कैसे पता चलेगा कि दो सौ किलो बहुमूल्य धातु सिन्टम चुराने वाले हम हैं !
और वैसे भी उसको इस मोबाइल वेहिकल में एक ग्राम सिन्टम भी नहीं मिलेगा ! क्योंकि पूरे सिन्टम को पिघलाकर हमने ये वाहन बना लिया है ! है न सिन्टम स्मग्लिंग का यह नायाब तरीका !
नागरानी... तो नागराजा बन गई !
नागराजा नहीं, सिर्फ नागराज ! घबराओ मत ! मैं आपसे सिर्फ ये पूछना चाहता हूं कि ये वाहन आप कहां से लाए ?
ऐसा वाहन मैंने तो पहले कभी नहीं देखा !
ये जादू जानती है ! पहले तो ये आदमी से औरत बन गई...
... और अब इसे वेहिकल के बारे में भी पता चल गया !

जादू या नागशक्ति इसके पास जो कुछ भी है, वह इस 'हाइपर जैपर' के सामने टिक नहीं सकती!
जल्दी करो! पिक कैब से बाहर निकलते ही मुझे चक्कर आ रहे हैं!
गाड़ी की तरह ही गन की बनावट भी अजीब है! खैर, जो भी हो, कोई भी गन मुझे...
...नुकसान नहीं पहुंचा सकती! आऽऽऽह!
लेकिन... लेकिन मेरा... आह... घाव इस बार नहीं भर रहा है!
कोई बात नहीं! जल्दी ही मेरा घाव भर जाएगा!
मेरे सर्प घाव को भर क्यों नहीं पा रहे हैं!

और इसी वक्त- महानगर में ही कहीं पर-
ओह! कई स्थानों के रूप बदल गए हैं! महानगर की कई जगहें तो इन अजीबोगरीब नए निर्माणों के कारण पहचान में ही नहीं आ रही हैं!
और इसी कारण जिस विऽलेषी के घर पर मैं आंख बंद करके पहुंच जाया करती थी, उसको ढूंढने में मुझे आधा घंटा लग गया।
खैर अब तो मैं...
आऽऽऽह! एकाएक मेरा सिर क्यों चकरा रहा है! मेरी आंखों के आगे...
...अंधेरा सा क्यों...
...छा रहा है! आऽऽऽह!
धड़ाक

एल्केलॉयड्स : एल्केलॉयड्स वे तत्त्व होते हैं जो सर्प-विष का निर्माण करते हैं।

इसीलिए हमारे शरीर और मस्तिष्कों को जरूरी पोषण नहीं मिल पा रहा है!
अगर ये पोषण हमको न मिल पाया तो फिर क्या होगा?
अगर ये प्रतिशत बढ़कर कम से कम दस प्रतिशत हो गया तो दिमाग के काम करने की क्षमता तेजी से घटती चली जाएगी, और...
...इंसान पागल होने लगेंगे! हे नागदेव! क्या ऐसा पूरी पृथ्वी के वातावरण के साथ हो रहा है?
शुरुआत तो महानगर से ही हुई है! लेकिन अब हर देश से वातावरण के प्रदूषित होने की खबरें आ रही हैं!
कहीं इसका संबंध उन अजीबोगरीब इमारतों से तो नहीं है जो महानगर में जगह-जगह पर नजर आ रही हैं!
शायद हो! पर एक बात और है!
ये देखो! ये 'मैग्नेटिक फील्ड सर्वेयर' है! इसकी मदद से मैं पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र पर नजर रखती हूं क्योंकि इस क्षेत्र का हमारे बदलते वक्त और मौसमों से सीधा संबंध है!
पर अभी-अभी इसकी मदद से मुझे एक नए अत्यन्त शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र का पता चला है! और मुझे पूरा यकीन है कि नई इमारतों के दिखने का सीधा कनेक्शन इसी चुंबकीय क्षेत्र से है! क्योंकि चुंबकीय क्षेत्र पैदा होने के बाद ही ये इमारतें नजर आई हैं!
उन इमारतों में क्या है?
क्या पुलिस ने इसकी छानबीन की है?
उन इमारतों को एक विपरीत चुंबकीय क्षेत्र ने घेरा हुआ है! न तो उसमें से कुछ बाहर आ पा रहा है और न ही हम उसके अंदर जा पा रहे हैं!
ये नया चुंबकीय क्षेत्र कहां से पैदा हुआ है?

इस नए चुंबकीय क्षेत्र का केन्द्र... शेलजेल है!
सरानी!
हां, वही शेल-जेल जहां पर ऑल टाइम ग्रेट कुख्यात वैज्ञानिक अपराधी सरानी बंद है!
अब मैं सारा मामला समझ गई!
अभी नहीं, नागरानी!
अब क्या बचा है?
वायुमंडल के सैंपलों की टेस्टिंग यह बताती है कि एलकेलॉयड्स के गायब होने का सिलसिला भी शेल-जेल के इलाके से शुरू हुआ है!
सरानी!
आज तो तू गई!
संभलकर नागरानी! ध्यान रखना!
एलकेलॉयड्स की कमी तुम्हारे शरीर और दिमाग पर भी असर डालेगी।
नागरानी को शेल-जेल तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-
हे नागदेव! शेल-जेल तो अपने स्थान पर है ही नहीं!
बस उसकी जगह एक तेज चमक नजर आ रही है!
ये जरूर सरानी की चाल है! वह रोशनी की आड़ लेकर बचना चाहती है!
लेकिन-
पर वह बचेगी नहीं!
क्योंकि नागरानी उसका पीछा दूसरी दुनिया तक करेगी!
रोशनी नागरानी को भी निगल गई-

अब बारी नागराज की थी-
आऽऽऽह!
रेडिएशन के कारण तुम्हारे ये सूक्ष्म सर्प घाव तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाएंगे!
इस बार तुम्हारे घाव नहीं भरेंगे जादूगरनी! क्योंकि ये 'रेडिएशन गन' है!
जो तुम्हारे घावों को भर देते...
...हैंऽऽ!
एक और नई शक्ति!
और इस...इसके घाव भी भर रहे हैं! रेडिएशन घाव भरने की गति को सिर्फ धीमा कर पाया...
...नष्ट नहीं कर पाया!
अब बताओ! कौन हो तुम लोग और ये अजीबो-गरीब वाहन कहां से लाए हो?
ईऽऽऽ
ये तो नागरस्सी है!
हम कौन हैं? अरे, हमको तो तुम कम से कम दस बार पकड़कर जेल में डाल चुकी...
...मेरा मतलब चुके हो!
और पिकवैन का ये मॉडल तो चार साल पुराना है! इसमें अजीबो-गरीब क्या है?
कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है! इनके अनुसार मैं एक औरत हूं और इनको पहले भी कई बार पकड़ चुका हूं!
इनको पकड़कर इनके दिमाग की जांच करानी पड़ेगी!

मैं इनको यहीं पर विष फुंकार से बेहोश करके छोड़ देता हूं! क्योंकि मुझे महानगर के एक दूसरे हिस्से से खतरे के सिग्नल मिल रहे हैं! और वो खतरा काफी बड़ा लगता है!
मुझे वहां पर जल्दी से जल्दी पहुंचना होगा!
हालांकि ये विष फुंकार तीव्र नहीं थी-
लेकिन इसका ये असर होगा इसका आभास नागराज को कतई नहीं था-
अरे! ये तो बेहोश होने के बजाय और शक्तिशाली हो गए!
पर कैसे?
शायद मेरी फुंकार इन पर बेअसर हैं!
इसीलिए उस वार को आजमाना पड़ेगा जिसके बेअसर होने की संभावना कम ही होती है!
अब दूसरी भी जल्दी ही जाएगी! क्योंकि जब पुरुष मेरे वार को नहीं सह पाया तो ये तो...
...एक औरत है!
नागशक्ति का वार...
एक तो गया!
आऽऽऽह! इतना जोरदार वार!
नागराज को झटके पर झटके मिल रहे थे-

लेकिन अभी ये झटके एक और बड़े शॉक में बदलने वाले थे-
मैडम सरानी!
सभी सेलों के दरवाजे खुलते ही हमारी साथियों ने आजाद होकर सिक्योरिटी वालों को काबू में कर लिया है!
सभी मेग्नेटिक एक्जिट डोर खुल चुके हैं!
पर न जाने क्यों हम बाहर नहीं जा पा रहे हैं। कोई फोर्स-फील्ड हमको रोक रही है!
हम! मैं समझ गई! मेग्नेटिक डोर तो खुल गए हैं, पर मेग्नेटिक फील्ड हमको रोक रही है! हम सबकी ड्रेस में मेग्नेटिक आइडेंटिफिकेशन कार्ड लगे हुए हैं! उनको गोल घुमा लो!
इससे कार्ड की मेग्नेटिक फील्ड उल्टी होकर उस फोर्स फील्ड को निष्क्रिय कर देगी जो हमको रोक रही है! पर हम बाहर जरा सावधानी से निकलेंगे! कहीं बाहर पुलिस का तगड़ा इंतजाम न हो!
मेरे पीछे आओ!
बाहर इंतजाम वाकई जबरदस्त था-
POLICE
ये इमारत कहां से आई है ये तो मुझे नहीं पता! पर इस इमारत के निवासी बाहर आ रहे हैं!
और... और...
इनके हाथों में अजीब सी गन है!
ओपेन फायर! इनके पैरों को निशाना बनाओ!

ये तो 'मेल-पुलिस फोर्स' है! पर इनकी पोशाकें और वाहन कुछ अजीब से हैं! वैसे भी आदमी हम औरतों के सामने कहाँ टिकेंगे!
आदमी सचमुच मूर्ख होते हैं! हम पर सौ साल पुरानी तकनीक वाली गोलियां दाग रहे हैं जो हमारे 'आइडेन्टिफिकेशन कार्ड' की मामूली मेग्नेटिक फील्ड को भी पार नहीं कर पा रही हैं!
ये हो क्या रहा है?
आसपास का दृश्य भी अजीब सा लग रहा है! छानबीन करनी पड़ेगी! इनको रास्ते से हटाओ!
अरे! हमारी कार!
गायब हो गई!
कार छोड़! अब हमारा भी यही हाल होने वाला है!
गन से विध्वंसक किरण निकली—

और उस अवरोध से टकराकर हवा में बिखर गई, जिसका नाम था–
नागरानी! मुझे पता था कि तुम यहां जरूर आओगी!
यहां? पर ये 'यहां' है कहां?
रोशनी की चादर के अंदर तुमने कोई नई दुनिया बना ली है क्या?
नई दुनिया बनाने की ताकत अगर मुझमें होती तो मैं एक ऐसी दुनिया जरूर बनाती जिसमें नागरानी न हो!
लेकिन इस दुनिया में नागरानी है! और जिस दुनिया में नागरानी रहती है, वहां पर अपराधी नहीं रहते!
अपराधियों की दुनिया वहां है! जेल-जेल! अब अच्छे अपराधियों की तरह वापस अंदर चले जाओ!
MP
MP

कमाल है! तुझमें अभी भी बात करने की ताकत है! खेल में हम नहीं, तू जाएगी, नागरानी!
टूट पड़ो इस पर! ये अभी कमजोर है!

ओफ़! ये कमजोर होने के बावजूद भी हम पर हावी हो रही हैं!
जबकि हमारी संख्या दर्जनों में है!
वह सिर्फ इसलिए सरानी क्योंकि तुम्हारी 'क्रिस्टल डस्ट' के कारण सिर्फ यही नहीं, हम सब भी कमजोरी महसूस कर रहे हैं!
आऽऽऽह!
किसने काटा मीस को?
ये तो एक सांप है! पर ये नागरानी के सांप जैसा नहीं है!
आऊऽऽऽ इसने फिर मुझे काटा!
अब मैं जरूर मरूंगी!
विदा मैडम सरानी! अलविदा!
अलविदा नागरानी!
अरे, सरानी बोलते-बोलते नागरानी बोलने लगी! और... और तुझमें इतनी ताकत कहां से आ गई कि तू नागरानी को...
इससे कटवाओ! इसके काटते ही मेरी रग-रग में करेंट सा दौड़ गया!
ऐसा लगा जैसे मैंने एलकेलॉयड्स की एक बड़ी डोज ले ली है!

सर्प के काटने से ताकत! मौत के बजाय ताकत!
सच में सबकुछ अजीब सा हो रहा है!
पर ऐसे जीव तो मैंने आसपास और भी देखे थे! अरे, सब सुनो!
अपने आसपास ऐसे सर्पों को ढूंढो और उनसे अपने आपको कटवाओ! ताकत मिलेगी!
ये 'जीव' नागराज के जासूस सर्प थे–
और अब ये तय हो चुका था कि नागराज का विष इन स्काफ्ज 'उन' आस प्राणियों को शक्ति दे रहा था–
और इसका आभास नागराज को भी हो रहा था–
तूने अगर किसी ट्रिक से पुरुष का रूप धारण किया है तो बहुत बड़ी गलती की है! क्योंकि पुरुष किसी भी हालत में हम स्त्रियों के सामने टिक नहीं सकता!
लेकिन अगर इस स्त्री में आम पुरुष से भी ज्यादा शक्ति है तो मैं भी इस पर खुलकर वार कर सकता हूं!
अगर मैं नागराज न होकर एक आम पुरुष होता तो इसके वारों को कभी सह न पाता!
आऽऽह! ये एकदम सही कह रही है!
बस वे वार नागवार नहीं होने चाहिए!
क्योंकि ये स्पष्ट है कि नागवारों से इसकी शक्ति बढ़ रही है!

हर कोई इस युद्धस्थल से बचकर भागना चाह रहा था-
लेकिन कुछ लोगों को अभी भी अपना कर्तव्य याद था-
लुल्ला जी रुकिए! ब्रेक मारिए!
अभी लो सिस्टर!
सब्जी लेनी है क्या?
ओफ्फो! कितनी बार कहा है कि आप मुझे सिस्टर मत बुलाएं लुल्ला जी!
मैं आपकी वाइफ हूं!
सही है! पर क्या करूं, आदत पड़ गई है!
मैं जिस अस्पताल का ड्राइवर हूं तुम उसी अस्पताल में नर्स हो!
अब बताओ कि इस मुसीबत के बीच में एम्बुलेंस को क्यों रोका है?
देखते नहीं नागराज किसी की धुलाई कर रहा है लुल्ला जी! और नागराज जब धुलाई करता है तो किसी न किसी को एम्बुलेंस की जरूरत पड़ती ही है!
अभी आएंगे तो पलटकर वापस आना पड़ेगा। अच्छा है कि यहीं रुक लें!
सही कहा सिस्टर...
मतलब वाइफ...
...यानी वाइफ सिस्टर!
छोड़ो! फाइट देखो!
ओहो! एक घायल आ गया!
ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर आइए, लुल्लाजी!

उठिए मत, उठिए मत! आप घायल हो गई हैं!
सांस लीजिए! पूरी लंबी सांस लीजिए!
अरे, दूर हट!
दूर हट!
ये तो बेहोश हो गई, लल्लाजी! आप ऑक्सीजन सिलेंडर की जगह एल. पी. जी. सिलेंडर तो नहीं उठा लाए न!
ना जी! नागराज! इसको तुमने इतनी जोर से मारा!
नागराज सुनने की स्थिति में नहीं था-
दनादन हुए वारों से नागराज का शरीर चिथड़ों में बंट गया-
आऽऽऽह! मुझे घावों को भरने के लिए समय चाहिए!
और मुझे नहीं लगता कि ये मुझको वह समय देगा!
तेरे शरीर में हुआ एक छेद तो भर गया था, पर देखते हैं कि ऐसे कई छेद कितनी देर में भरेंगे!
अब तेरे बदन में छेद नहीं दिखेंगे बल्कि छेदों के बीच में कहीं-कहीं पर तेरा शरीर दिखेगा!
पता नहीं वह वार नागराज का अंत कर पाता या नहीं-

क्योंकि वह बार चल ही नहीं पाया-
विसर्पी! तुम यहां पर कैसे?
इसको हम यहां पर लेकर आए हैं, नागराज!
आप विसर्पी को यहां पर लेकर आए हैं?
पर क्यों?
क्योंकि नागद्वीप पृथ्वी के कई अन्य स्थानों की तरह न जाने कहां परलुप्त हो गया है! हम सिर्फ विसर्पी को बचा पाए! और अब उसका तुम्हारे सिवाय और कोई सहारा नहीं है!
सहारा है न महात्मा कालदूत!
आप हैं!
हम थे नागराज! अब नहीं हैं!
हमें अपने अंत का सामना करने जाना है नागराज!
वक्त आ गया है!
ये... ये आप क्या कह रहे हैं, महात्मा!
आपका अंत कैसे हो सकता है? आप तो अनश्वर हैं!
जो पैदा होता है उसका एक दिन अंत भी होता है नागराज! अलविदा नागराज!
थोड़ी सी ऑक्सीजन मुझे भी लगा दो, सिस्टर!
अगली बार सिस्टर कहेंगे तो मैं वेक्यूम क्लीनर आपकी नाक में घुसा दूंगी लुल्ला जी!
वैसे जरा देखिए ये भाई साहब भी ऑक्सीजन सूंघकर बेहोश हो गए!
इस सिलेंडर में कुछ गड़बड़ जरूर है! आप जरा सूंघकर टेस्ट कीजिए न!
म...मैं मैं...
क्या बात है?
ऑक्सीजन सिलेंडर खराब है! ये दोनों उसे सूंघते ही बेहोश हो गए!
लाओ! मैं इसे सूंघकर देखता हूं!

ऑक्सीजन सिलेंडर तो एकदम ठीक है!
फिर ये दोनों बेहोश क्यों...
ईssss
ये क्या? हवा में से एकारुक क्या प्रकट होने लगा?
हे भगवान! ये क्या चीज है?
और... और ये एकारुक कैसे प्रकट हो सकती है?
बहुत हो गया! अब मैं और झेल नहीं सकता! अब मैं यहां एक पल भी और नहीं रुक सकता, सिस्टर!
मैं भी नहीं लल्लाजी! घर चलिए! फिर मैं आपको सिस्टर का मतलब समझाती हूं!
मैं सफल रही! मैंने उस मैग्नेटिक क्षेत्र को अपने 'मैग्नेटिक ट्रैकर' से ट्यून किया जिससे नागरानी गायब हो गई थी!
और मैं यहां आ गई!
ये जरूर कोई दूसरा आयाम है!
पर ये आयाम है कहां पर? मैं कहां पर हूं?

तुम पृथ्वी पर हो! एशिया महाद्वीप के एक देश भारत के एक मेट्रोपोलिस महानगर में! अब ये बताओ कि तुम कौन हो?
और कहां से आई हो?
पृथ्वी पर? महानगर में? कमाल है! लेकिन उससे भी बड़ा कमाल तो तुम हो! एक... एक पुरुष और बिल्कुल उसी रूप में!
तुम एक पुरुष होकर भी अपराधियों से लड़ने का साहस रखते हो?
पता नहीं तुम क्या कह रही हो? मैंने पूछा कि तुम कौन हो और कहां से आई हो?
मैं! मैं विश्लेषी हूं!
नागरानी की दोस्त! उसी को सरानी से बचाने के लिए यहां पर आई हूं!
और... ओ माई गॉड! अब मैं समझी कि ये सब क्यों हो रहा है? तुम्हारी पृथ्वी के ध्रुव बदल रहे हैं!
ध्रुव बदल रहे हैं! इसका क्या मतलब हुआ?
हर दो से पांच लाख वर्षों के बीच पृथ्वी के ध्रुव बदल जाते हैं!
उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी बन जाता है और दक्षिणी ध्रुव, उत्तरी!
ऐसा धरती के केंद्र में तेजी से घूमती हुई तरल धातु के कारण होता है!
अब इस पृथ्वी पर चुंबकीय हलचल एकाएक बढ़ गई है!

और उस चुंबकीय हलचल में एकाएक एक नया चुंबकीय क्षेत्र जुड़ गया है! शेल जेल का चुंबकीय क्षेत्र! और दोनों क्षेत्रों के बीच में एक... क्या कहूं... हां, मेग्नेटिक इंटरलॉकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है! जैसे 'जिप' के दो हिस्से स्लाइडर के चढ़ाते ही आपस में जुड़ने शुरू हो जाते हैं! इसी कारण यहां की चीज वहां और वहां की चीज यहां आ रही है!
ये दोनों आयामों के बीच की इंटरलॉकिंग है!
कुछ समझी, विसर्पी?
सिर्फ ये कि मैं तुम्हारे साथ हूं! और ये कोई समझदार पागल है!
ओ गॉड! मैं तुमको समझाने के चक्कर में नागरानी को तो भूल ही गई थी! सरानी उसकी जान ले लेगी!
ये रही नागरानी की स्थिति! वह अभी भी शेल-जेल के पास है! इसी आयाम में!
मुझे उसको सरानी से बचाना... ओफ़! मुझे... चक्कर क्यों आ रहे हैं!
बहुत कमजोरी...
...लग रही है!
ये तो बेहोश हो गई!
ये इस अजीबोगरीब मशीन में क्या देख रही थी?
हे देव कालजयी! ये तो महानगर का मैप है! और... और इस पर चमकता बिन्दु उसी स्थान पर है जहां से मुझको भीषण खतरे के संकेत आ रहे थे! तुम इस रहस्यमयी विश्लेषी और इन दोनों का ध्यान रखना विसर्पी! मुझे 'शेल-जेल' के रहस्य का पता लगाना होगा!
43

'शेल-जेल' इस वक्त इस मुसीबत का केन्द्र थी-
ओह्! ये कमजोर होने के बावजूद भी अपनी आत्म शक्ति के बल पर हमसे लड़ती आ रही है!
जबकि हममें शक्ति काफी हद तक वापस आ गई है!
सिर्फ इतना ही नहीं, अब ये अपनी 'स्पलिट-पॉवर' का प्रयोग भी कर रही है!
अब हम नहीं बचेंगे! अपने आपको 'स्पलिट' करते-करते इसकी संख्या हमारे बराबर होने में देर नहीं लगेगी!
जितनी तेजी से नागरानी के हाथ चल रहे थे-
उतनी ही तेजी से सरानी के हाथ गन के पुर्जों को एक नया रूप दे रहे थे-
नागरानी!
इसकी इस शक्ति की काट मैं बहुत दिनों से ढूंढ रही थी! और आज उसको आजमाने का मौका आ गया है!
आज ये अपनी इस शक्ति के कारण ही हारेगी! अपनी गन्स मुझे दो! मुझे उनके पुर्जों की जरूरत है!
बस! बन गया, मेरा हथियार!

ओह! एक और नया हथियार! तू को शिश करना छोड़ेगी नहीं, सरानी!
पर आज के बाद तू मेरे सामने आना छोड़ देगी, नागरानी!
क्योंकि इस 'स्नेक सीकर' से निकलने वाली किरणें नाग शक्ति का पीछा करती हैं!
यानी तेरा!
तेरे हथियार से जो कुछ भी निकलेगा मैं उससे बड़े आराम से बच लूंगी!
इससे नहीं, नागरानी! इससे नहीं!
आsss ह! क्या खास है तेरी इस किरण में?
मुझे तो कुछ भी बदलाव महसूस नहीं हो रहा है...
या यूं कहूं कि तुम सबका!
लेकिन तुझे अपने चेहरे में बदलाव जरूर महसूस होगा, सरानी!

नागरानी जो समझ रही थी, सच्चाई उसके बिल्कुल विपरीत थी-
ये तुमने कैसे किया, सरानी ? नागरानी के अलग-अलग रूप आपस में ही क्यों लड़ने लगे ?
मामूली सा काम था! मेरे स्नेक सीकर की किरणों ने इनके मस्तिष्क के तंतुओं को इस तरह से 'शॉर्ट-सर्किट' कर दिया है ...
... कि इनको अपने ही रूप में इसकी सबसे बड़ी दुश्मन सरानी यानी मेरा रूप ही नजर आ रहा है! अब अपनी समझ के अनुसार ये सरानी को पीट रही है!
परन्तु सच्चाई ये है कि ये अपने आप से ही लड़ रही है!
अब ये सभी रूप जल्दी ही एक दूसरे के हाथों मौत के घाट उतार दिए जाएंगे!
सरानी की अगुवाई में घातक हथियारों से लैस खूंखार अपराधियों की एक फौज महानगर में फैल गई थी-
अब चलो! अब अपने आस-पास की स्थिति की छानबीन करनी है!
न जाने मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि हम किसी नई जगह पर आ गए हैं!
और उसको रोक सकने वाली नागरानी के अपने ही रूप आपस में टकराकर पस्त हो रहे थे

आऽऽऽह! सरानी के वार इतने शक्तिशाली कैसे हो गए?
अरे! ये क्या? यहां तो एक के बजाय कई सरानी हैं!
पर ये तो असंभव है!
यहां पर अगर एक के बजाय कई रूप हैं तो ये मेरे हैं! पर वे रूप कहां हैं?
ओह! अब मैं समझी!
यही है सरानी के वार का असर! शायद मुझे मेरे ही रूप उस वार के कारण सरानी के रूप में नजर आ रहे हैं!
मेरे पास इस शक की पुष्टि का एक तरीका है!
मुझे अपने सारे रूपों को अपने अंदर खींचना होगा!
तभी सच का पता चल पाएगा!
सभी सरानियां गायब हो गईं! यानी मेरा ख्याल सही था! सरानी मेरे मस्तिष्क पर वार करके खुद गायब होने में कामयाब हो गई है!
ओफ्! सर अभी भी चकरा रहा है!
लेकिन अब मैं भ्रम में नहीं आऊंगी!

ओह! तो शायद तुम ही हो, नागरानी!
हैं!
हुम!
हुम्ममम!
?
ये... ये तो मेरा ही पूरूष रूप है! एक निम्न श्रेणी का कमजोर प्राणी!
लेकिन फिर भी इसको देखने के बाद... मेरा दिल तेजी से धड़क क्यों रहा है?
मेरा... इससे बात करने का मन क्यों कर रहा है? गला भी सूख रहा है! ऐसा तो मेरे साथ पहले कभी नहीं हुआ! कहीं ये सरानी की किरणें का असर तो नहीं है!

हां! जरूर ये सरानी के वार का ही असर है! वर्ना मुझे न तो अपना ही पुरूष रूप नजर आता और न ही मुझे एक पुरूष के प्रति प्रेम पैदा होता!
सरानी मुझे कमजोर बनाना चाहती है! एक पुरूष के प्रति आकर्षण होना एक स्त्री के लिए कमजोरी की निशानी है!
मुझे इस कमजोरी को दूर करना होगा और इस कमजोरी को दूर करने का एक ही तरीका है और वह है इस 'भ्रम' को दूर करना, जो मेरे सामने मेरे पुरूष रूप में मौजूद है!
ऐ! क्या हुआ तुमको? मैं तो यहां पर तुमसे सिर्फ कुछ सवालों के जवाब पूछने आया हूं!
कहीं तुम गूंगी तो नहीं हो? कौन हो तुम?
नागरानी को देख-कर तुम जैसे पुरूष गूंगे हो जाते हैं!
हो सकता है! क्योंकि तुम हो ही इतनी सुंदर!
इसने मुझे सुंदर कहा! शायद ये भी मुझे उतना ही चाहता है जितना कि मैं इसको... ओफ्!
मैं ये फिर क्या सोचने लगी? सरानी का जाल मुझे सचमुच फंसाता जा रहा है! मुझे इस जाल को तोड़ना होगा!
तुमको मेरी तारीफ करने के लिए नहीं, बल्कि मेरा ध्यान बंटाने के लिए पैदा किया गया है ताकि मेरा समय व्यर्थ हो और उतनी देर में शेल-जेल से भागे अपराधी मेरी पहुंच से दूर जा सकें।
तुम सरानी द्वारा पैदा किए गए एक भ्रम से ज्यादा कुछ भी नहीं हो!

मैं भ्रम नहीं हूं, बल्कि भ्रम में हूं! ये 'झेलजेल' कहां से आई है, तुम कहां से आई हो और वे अपराधी कहां हैं जिनकी तुम बात कर रही हो?
बस! मेरा रास्ता रोकने की और कोशिश मत करो!
मुझे झेल जेल में अपराधियों को वापस पहुंचाना है!
आह!!
झेल जेल के अपराधी अब महानगर में फैल चुके थे-
ये जरूर कोई दूसरी दुनिया है! न तो इमारतें पहचान में आ रही हैं, और न ही रास्ते! और सारे सुरक्षा-कर्मी पुरुष हैं!
भला ये हमसे क्या मुकाबला करेंगे!
इस दुनिया पर कब्जा करना तो बहुत आसान होगा!
अलग-अलग गुटों में बंट-कर सारे शहर में फैल जाओ! इस शहर के खास-खास संस्थानों पर कब्जा करके इस शहर पर अपना राज फैला लो!
शुरुआत इस शहर से होगी और फिर ये पूरी दुनिया हमारे कब्जे में होगी!
सरानी, पूरी पृथ्वी पर जाल फैलाने की तैयारी में थी-

और उसके दुश्मन आपस में ही टकराकर तबाह हो रहे थे-
बस बहुत हो गया! रुक जाओ! वर्ना मुझे भी तुम्हारे वारों का जवाब देना होगा!
उम्मीद है कि वह तुम अपने हाथ- पैरों से दोगे! जीभ से नहीं!
माफ करना, पर हमारे यहां स्त्रियों पर हाथ उठाने का रिवाज नहीं है!
कहीं शेल जेल के स्थान पर बने रोशनी के गोले को पार करके मैं किसी और दुनिया में तो नहीं आ गई हूं!
वैसे ये आभास मुझे पहले भी हो चुका है!
अब बताओ! महानगर में ये अजीबोगरीब निर्माण और उनके साथ-साथ तुम कहां से आई हो?
ओह! नागरस्सी! यानी ये नागराजा मेरा भ्रम नहीं, बल्कि कुछ और ही है!
और यह ऐसे बात कर रहा है जैसे मैं कहीं बाहर से आई हूं!
महानगर! यानी मैं महानगर में ही हूं!
हां!
तब तो ये सवाल मुझे तुमसे पूछना चाहिए!
क्योंकि महानगर तो नागरानी का कार्यक्षेत्र है! यानी मेरा!
पर मैं तो महानगर में पिछले कई सालों से हूं और मैंने तुम्हारा नाम कभी सुना नहीं! महानगर वाले तो सिर्फ एक ही नाम जानते हैं! नागराज! और वह मेरा नाम है!

बहुत ज्यादा भ्रम पैदा हो गया है!
और इस भ्रम को दूर करने का एक ही तरीका है!
तुमको दूर करना!
ओफ़! इसकी फुंकार तो अद्भुत है! ये विष-लहरी तो नाग कुंडली की तरह मुझे जकड़ रही है!
और वायु की बनी इस कुंडली को तोड़ना असंभव है!
ओ! ये लड़खड़ा रही है! कमजोर हो रही है! यही मौका है इस पर वार करने का!
तीक्ष्ण विष फुंकार का!
फ़ू
ऊ
ऊ
ऊ
और एक पल के बाद ये बेहोश होकर नीचे...
... गिर जाएगी!
अरे! इस पर भी मेरी विष फुंकार का वैसा ही असर हुआ, जैसा अजीबोगरीब वाहन के चालकों पर हुआ था!
इसकी शक्ति तो एकाएक बढ़ गई! कैसे?

जवाब नागरानी पास था-
आह! इसकी फुंकार में एल्केलायड्स है! मुझे शक्ति मिल रही है! नागराज कोई भ्रम नहीं है! बल्कि ये मेरा पूरक है!
इसके अंदर तो पूरी पृथ्वी को बचा सकने की क्षमता है! पर ये अब तक था कहाँ? और इसके अंदर जीवनदायी विष का ये भंडार कहाँ से आया?
अब तो मुझे इससे जीतने का एक मकसद मिल गया है! इसको मैं इसके अंदर का विष वातावरण में बिखेरने पर मजबूर कर दूंगी!
पर ये काम मैं सरानी जैसे भगोड़े अपराधियों को जेल-जेल में वापस भेजने के बाद करूंगी! ताकि वे शक्तिशाली न हो सकें!
पर... अरे! कहां गायब हो गया, नागराज?
क्या वह सचमुच मेरा भ्रम था?
या मैंने ज्यादा शक्ति का प्रयोग कर दिया!
एल्केलायड्स रहित और ऑक्सीजन से भरपूर!
ओह! ये हवा तो मेरा दम घोंट रही है!
तो लम्बी उठाओ और देख लो!
फू sss
ओ! फिर विष फुंकार?
खैर!
अगर वह भ्रम था, तो बहुत सुहाना भ्रम था! एक प्यारा सा ख्वाब!
नहीं! ये शुद्ध हवा है!
यही है महानगर की असली हवा! अगर तुम महानगर में रहती हो तो अब तक जिन्दा कैसे रहीं?
कुछ समझ में आया?

अगर मैं झूठ नहीं बोल रही और तुम सच बोल रहे हो तो ये कैसे संभव है कि एक ही नगर में रहने वाले एक जैसी शक्ति वाले दो इंसान एक दूसरे से अंजान रहें!
यह संभव है नागरानी!
विश्लेषी! यानी तुमने समस्या को समझ लिया है और शायद इसका समाधान भी ढूंढ लिया है!
हां, नागरानी! और सच जानकर तुम भी चौंक जाओगी!
ऐसी क्या बात है, विश्लेषी?
मेरा सिर तो इसकी बातें सुनकर अभी तक घूम रहा है!
नागरानी! इस वक्त तुम अपनी पृथ्वी पर नहीं हो, बल्कि एक-दूसरे आयाम में मौजूद एक दूसरी पृथ्वी पर हो! ये पृथ्वी हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती होने के बावजूद कई बातों में हमसे भिन्न भी है! जैसे हमारे यहां प्रमुख प्राणी स्त्री है तो यहां पर पुरुष!
ठहरो, ठहरो! पर ये दूसरा आयाम, और दूसरी पृथ्वी है किस जगह पर?
ठीक वहीं पर जहां पर हमारी पृथ्वी है! बस इसका 'मैग्नेटिक वायब्रेशन' हमसे अलग है!
इसीलिए एक ही स्थान पर मौजूद होने के बावजूद हम एक दूसरे से कभी टकराते नहीं हैं!
यूं समझो जैसे कि हवा में कई तत्त्व मौजूद होते हैं, पर वे आपस में संयोग नहीं कर पाते!

और ऐसी सिर्फ दो नहीं, कई पृथ्वियां हो सकती हैं! क्योंकि ऐसे अनगिनित आयाम हो सकते हैं!

इसका कारण भी मैगनेट्रिज्म है! तुम्हारी पृथ्वी के ध्रुव आपस में बदल रहे हैं, नागराज! ऐसा हर दो से पांच लाख वर्षों के बीच में होता है! इस कारण तुम्हारी पृथ्वी पर 'मैगनेटिक एक्टिविटी' काफी बढ़ गई है!

और संयोगवश इसी दौरान हमारी पृथ्वी पर मौजूद 'शेल-जेल' का मैगनेटिकजेनरेटर भी बेकाबू हो गया! इससे एक और शक्तिशाली मैगनेटिक क्षेत्र पैदा हुआ!

और फिर इन दो अलग-अलग आयामों में मौजूद मैगनेटिक क्षेत्रों की 'जिप' की तरह मैगनेटिक इंटरलॉकिंग शुरू हो गई!

समझी! यानी शेलजेल उस आयाम से इस आयाम में आ गई है!

जहां-जहां पर ये मैगनेटिक क्षेत्र आपस में जुड़े वहीं वहीं पर दोनों आयामों की वस्तुओं और प्राणियों का आदान-प्रदान शुरू हो गया!

जैसे मैं और तुम आ गए, विशेषी!

अगर मैं इस बात को मान भी लूं तो ये कैसे संभव है कि जो आयाम आज तक कभी नहीं मिले, वे आज मिल रहे हैं!

नहीं! तुम भी जानबूझ कर आई हो और तुमको ढूंढते-ढूंढते मैं भी जान-बूझकर आई हूं!

पर तुमको मुझे ढूंढने की क्या जरूरत पड़ गई?

हमारी पृथ्वी पर हाहाकार मच गया है, नागरानी! एरानी ने वातावरण में से जीवनदायी तत्त्वों को नष्ट करके जीवित प्राणियों को मौत के कगार पर पहुंचा दिया है!

अब अगर जल्दी ही हमारी पृथ्वी के वातावरण में एलकेलायड्स की मात्रा नहीं बढ़ी तो पृथ्वी पर से जीवन विलुप्त हो जाएगा!

एलकेलायड्स! एलकेलायड्स तो हमारी पृथ्वी के प्राणियों के लिए विष है! और ये एलकेलायड्स हमारे नागों में भरपूर मात्रा में मौजूद रहते हैं!

हम भी एलकेलायड्स को विष ही कहते हैं! पर वे हमको शक्ति और जीवन देते हैं!

और ये तत्त्व हमारे वातावरण में ही मौजूद रहते हैं!

ओफ़! उस आयाम की पृथ्वी के लोग मर रहे हैं और इस आयाम के लोगों को सरानी अपना गुलाम बनाकर मार देगी! अब मैं किधर जाऊं? क्या करूं?
तुम्हारा कर्तव्य स्पष्ट है नागरानी अपने आयाम के पृथ्वीवासियों की रक्षा करना तुम्हारा पहला कर्तव्य है!
विश्लेपी ठीक कह रही है, नागरानी। मेरे पास सर्पों की एक ऐसी फ़ौज है जिनके पास तीक्ष्ण विष है। उनको मैं तुम्हारे साथ भेज सकता हूं। उनका विष तुम्हारे पृथ्वीवासियों को बचा सकता है।
नहीं, नागराज! छोटे- छोटे कई उपायों से काम नहीं चलेगा! इतना वक्त नहीं है हमारे पास! हमको एक बड़ा उपाय चाहिए...
और वह उपाय तुम हो नागराज! तुमको मेरे साथ चलना पड़ेगा!
हमारी पृथ्वी का नागरिक बनकर!
क्योंकि हमारे आयाम में जाकर तुम्हारा यहां वापस आना शायद संभव न हो सके!
और हमारे कानून के अनुसार मैं तुमको सिर्फ़ तभी ले जा सकती हूं, जब तुम...
...मुझसे विवाह कर लो, नागराज!

पता नहीं इस प्रस्ताव के पीछे जनता की भलाई थी या स्वयं नागरानी की-
या शायद दोनों की-
पर इस पृथ्वी की हर तरफ से हार थी-
अब हम क्या करें?
ओफ्! हमारे गुटों में बंटने से पहले ही ये विमान आ धमके। और ये कोई घातक विस्फोटक फेंक रहे हैं।
हमारी मेग्नेटिक सुरक्षा 'फील्ड' इन विस्फोटकों से शायद हमें न बचा सके।
अरे! ये तो पिकर है। चार साल पुराने मॉडल का!
लेकिन इसकी धातु सतह इतनी चमक क्यों रही है?
अरे! ये... ये तो सिन्टम है!
वह खतरनाक और बहुमूल्य धातु?
अब ये दुनिया या तो घुटने टेकेगी या फिर लेट जाएगी...
हां! और ये पूरा पिकर सिन्टम का ही बना हुआ है!
बस, अब हमारे सामने कोई टिक नहीं पाएगा!
...कब्र में!
ये औरतें पागल हो गई हैं! ये मेटल के टुकड़े हम पर फेंककर हमसे जीतना चाहती हैं!

इससे ज्यादा नुकसान तो गुलेल के कंकड़...
...पहुंच...
इस हथियार को पाने के बाद अब इस दुनिया के मालिक हम होंगे!
सरानी ने न जाने कौन सी केमिकल-ड्रॉप उस 'सिन्टम शीट' पर डाली थी-
सिन्टम ब्रह्मांड की सबसे अभेद्य और सबसे ज्यादा फैलने वाली धातु है। यानी एक आलपिन जितनी सिन्टम को इतना फैलाया जा सकता है कि वह पच्चीस मंजिल ऊंची एक इमारत को पूरी तरह से ढक सके!
और ये धातु रेडियो एक्टिव भी है!
जिसने उस भयावह मंजर को पैदा कर दिया था-
अभेद्य सिन्टम की चादर पानी की तरह फैलती हुई अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपने आगोश में लेती चली जा रही थी-
हा हा हा! अब ये सिन्टम की पर्त तभी रुकेगी जब सरानी इस पृथ्वी की महारानी बनेगी!

अब दो पृथ्वी के वासियों का जीवन दांव पर लग चुका था-
अब सवाल यह था कि पहले किसको बचाया जाएगा?
मेरा प्रस्ताव मान जाओ नागराज! मुझसे विवाह कर लो!
पर मैं... मैं तो, नागरानी...
मैं ये सिर्फ इसीलिए नहीं कह रही हूं क्योंकि मुझे अपने पृथ्वीवासियों को बचाना है!
बल्कि इसका इससे भी बड़ा एक कारण और है, नागराज!
क्या?
मुझे तुमसे प्रेम हो गया है, नागराज!
बस! बहुत हो गया!
अब या तो नागराज का नागसेना को साथ ले जाने वाला प्रस्ताव मान लो या अपने आयाम में वापस जाकर स्वयं ही कोई रास्ता ढूंढ लो!
आपको मध्यस्थता करने की आवश्यकता क्यों आ पड़ी?
क्योंकि मैं नागराज की होने वाली पत्नी हूं! नागद्वीप की राजकुमारी विसर्पी!
वैसे बात अगर सिर्फ तुम्हारी पृथ्वीवासियों का जीवन बचाने की होती तो शायद मैं तुम्हारे प्रस्ताव का विरोध भी न करती!
लेकिन तुम्हारे प्रस्ताव के पीछे तुम्हारा स्वार्थ है! और इसको मैं कभी सहन नहीं करूंगी!
आऽऽऽह!
यूं समझो कि आज नागराज से तुम्हारा सम्बन्ध विच्छेद हो गया है!

ये क्या कर रही हो नागरानी? विसर्पी ने अपनी विष फुंकार का दान देकर मेरी जान बचाई है!
और अब ये करोड़ों जीवन खतरे में डालने का प्रयास कर रही है! इसको तो रास्ते से हटना ही होगा!
...विसर्पी को आता है!
विसर्पी, नागरानी रुक जाओ! ये समस्या का हल नहीं है!
ओ गॉड! समस्या तो इधर भी खड़ी हो रही है!
मेहमानों पर वार करना हमारी रीत नहीं है! इसीलिए मैं अभी तुम पर वार नहीं कर रही थी!
पर अब तुम आक्रमणकारी का रूप धारण कर रही हो! और आक्रमण का जवाब देना...
अब क्या हुआ?
सरानी ने अपना दांव खेल दिया है! और तुम्हारा महानगर हार रहा है!
दांव तो यहां पर भी लगा था-
नागराज पर-
और फैसला मौत से होना था-
तू शक्तिशाली जरूर है राजकुमारी विसर्पी...
...लेकिन मैं नागरानी हूं!
और राजकुमारी रानी से कभी जीत नहीं सकती है!
नागवृक्ष!

मुझको सरानी को रोकने जाना पड़ेगा विसर्पी! मेरे पास इस लड़ाई को रोकने का वक्त नहीं है!
मेरे वापस आने तक तुम इनको समझा-बुझा कर शांत करो!
मैं कोशिश जरूर करूंगी, नागराज!
पर क्या तुम वापस आ पाओगे?
सही सवाल ये होना चाहिए था-
कि क्या तुम जा पाओगे?
कहां जा रहे हो नागराज?
अब तुम मेरे साथ चलोगे नागराज! चाहे अपनी मर्जी से, या मेरी मर्जी से!
क्योंकि हमारे पास वक्त बहुत कम है!
विसर्पी! तुम ठीक तो हो न?
मेरी चिन्ता छोड़ो नागराज! मैं नागवृक्ष से बचने का कोई न कोई रास्ता ढूंढ लूंगी! तुम नागरानी से निपटने का तरीका सोचो!

अब इस कैद से तू अदृश्य होकर भी बच नहीं पाएगा।
अब तुमको मेरे साथ मेरे आयाम में चलना पड़ेगा! अब हमारा विवाह वहीं पर होगा!
विश्लेषी, चलने की तैयारी करो! हम उसी प्रकाश पुंज के रास्ते से वापस जाएंगे, जिस रास्ते से मैं आई थी!
ओफ़! मैं बेबस हूं! नागवृक्ष ने मेरे इच्छाधारी रूप के लिए भी बाहर निकलने का स्थान नहीं छोड़ा है!
ठीक वैसा ही हो रहा है जैसा कि मैंने सपने में देखा था! मुझे इस सपने को सच में तब्दील नहीं होने देना है!
पर इन सांपों की संयुक्त शक्ति मेरी शक्ति से कहीं ज्यादा है! मैं इस बंधन से कैसे निकलूं?
और उंगलियों की पकड़ ढीली करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि उनको कुचल दो!
नागराज के बदन ने कैद के अंदर ही एक कलाबाजी आजमाई-
और उसका असर तुरंत सामने आ गया-
आईई!
जब नागरानी के एक हाथ की उंगलियां ही इतनी शक्तिशाली हैं तो! आहा! ये सर्प वृक्ष तो दरअसल में उंगलियों का ही विस्तार हैं!
और असर के साथ-साथ नागराज भी सामने आ गया-
तुम्हारे सर्प वृक्षों को काटने के लिए अब मेरे पास सर्प आरी है!

तुमको मेरे साथ तो चलना ही पड़ेगा, नागराज !
चाहे तुम कितने भी दांव आजमा लो !
ओफ्! बालों की मोटी पर्त ने नागफनी सर्पों को भी घेर लिया है! इनकी धार भी अब बेकार है!
लेकिन... लेकिन ये क्या ? इच्छाधारी कणों में बदलते ही कणों पर से मेरा नियंत्रण समाप्त हो रहा है ! शायद ये लगातार बढ़ती हुई मेग्नेटिक एक्टिविटी के कारण हो रहा है!
स्क बार फिर इच्छाधारी शक्ति का सहारा लेना होगा!
अब मैं ये खतरा मोल नहीं ले सकता!
चलो, नागराज !
ये पेड़ मुझे थोड़ा वक्त दे सकता है!

अब मुझे नागरानी से बिना रुके लड़ते रहना है! यह तो स्पष्ट है कि मेरे ऐसा करने से यह भी मुझ पर वार करेगी!
और जितनी देर तक लड़ाई जारी रहेगी, उतनी ही तेजी से इसके साँस लेने की गति बढ़ेगी। इसके शरीर में ऑक्सीजन जल्दी-जल्दी और ज्यादा मात्रा में पहुंचेगी...
...और इसकी कमजोरी भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगी...
... क्योंकि ऑक्सीजन इसके शरीर के लिए घातक विष के समान है!
नागराज के उस वार ने नागरानी को कई मीटर दूर फेंक दिया-
नागरानी कमजोर हो रही थी-
लेकिन नागराज जिसको अपनी जीत की निशानी समझ रहा था-
वह हार की शुरुआत थी-
अरे! नागरानी पर धातु की यह पर्त कैसे चढ़ती जा रही है?
सिन्टम!

सिन्टम क्या?
सिन्टम ब्रह्मांड की सबसे अधिक फैलने वाली धातु है जो सिर्फ हमारी पृथ्वी पर पाई जाती है!
यह धातु यहां पर कैसे आई? और वह भी इतनी अधिक मात्रा में!
यह जरूर सरानी का काम है!
उसने ही सिन्टम की चादर को पूरे महानगर पर फैला दिया है!
पूरे महानगर पर! यानी... पूरा महानगर इस धातु की पर्त के नीचे दब चुका है!
हां, नागराज! और इस धातु से बचने का कोई तरीका नहीं है! ये पर्त अभेद्य है! क्योंकि सिन्टम हीरे से भी सौ गुना अधिक मजबूत होता है!
अब जल्दी ही ये धातु डेल-डेल को भी ढक लेगी, और हमारा यहां से अपने आयाम में वापस जाने का एकमात्र रास्ता बंद हो जाएगा!
वैसे भी अगर ये सरानी का ही काम है तो वह भी अपनी टोली के साथ यहां आती ही होगी! और नागरानी की मदद के बगैर हम उसके सामने टिक नहीं पाएंगे!
आयामों की इस लड़ाई में दोनों आयाम हार चुके हैं, नागराज!
और सरानी जीत चुकी है!
लो! सरानी भी आ गई! अब खेल पूरी तरह खत्म हो गया है!
अब ये डेल-डेल हमारे नए साम्राज्य का राजमहल बनेगी!
पर... पर इस मेटल की पर्त इन सब पर क्यों नहीं चढ़ रही है!
इन सबकी पोशाकों पर मैग्नेटिक आई कार्ड लगे हैं! इस वक्त ये भी शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र पैदा कर रहे हैं! और वह चुंबकीय क्षेत्र इनके शरीर को घेरकर इनको सिन्टम की पर्त से बचा रहा है!
अब बताओ, नागरानी! कौन है, महारानी? नागरानी या सरानी?

खत्म कर दो इन दोनों को भी! उसके बाद ये शेल-जेल भी सिस्टम से दक जाएगी और फिर सरानी को रोकने के लिए उस आयाम से कोई मदद नहीं आ पाएगी!
इस आयाम में रहकर सरानी आजाद भी रहेगी और महारानी भी बनेगी!
ओफ्! विसर्पी को भी धातुई पर्त ने ढक लिया है! अब कुछ करना पड़ेगा विऊलेषी!
और वह भी जल्दी!
पर हम क्या...
एक मिनट! शेल जेल का मैग्नेटिक जेनरेटर ही इंटर-लॉकिंग पैदा कर रहा है! अगर इसको बंद कर दिया जाए तो?
तो काम बन सकता है! आइडिया तो अच्छा है!
यह काम इतना आसान तो नहीं है, नागराज! इस वक्त उसके चारों तरफ जबरदस्त चुंबकीय क्षेत्र फैला होगा! उसको पार करके जेनरेटर तक पहुंचने में काफी शक्ति और वक्त लगेगा! और उतना वक्त हमारे पास नहीं है!
वक्त को मैं रोककर रखूंगा, विऊलेषी! सरानी और उसकी साथियों को मैं रोकूंगा!
पर तुम्हारी नागशक्तियां इन पर बेअसर रहेंगी!
तब तक तुम शेल जेल के अंदर जाकर जेनरेटर बंद करने का रास्ता ढूंढो!
नागशक्ति को दूसरी तरह से प्रयोग करने के तरीके भी मेरे पास हैं!
ठीक है! फिर मैं चली!
विऊलेषी! शेल जेल के अंदर जा रही है! वह जरूर कुछ गड़बड़ करेगी!
इसके चिथड़े उड़ा दो!
नहीं!
नागराज ने विऊलेषी को तो अंदर जाने का मौका दे दिया-

लेकिन उसने अपना मौका खो दिया था-
ये तो अब तड़प-तड़पकर मरेगा! आओ, विद्रोही के पीछे!
नागराज के साथ हर उम्मीद खत्म होने वाली थी-
लेकिन नागराज-
और इसको सिन्टम के अंदर फेंक दो!
नागरानी के साथ इसकी मूर्ति बहुत जँचेगी!
खत्म होने वाली चीज नहीं था-
आह! सिन्टम के इस सैलाब के अंदर मुझे एक ही चीज सिन्टम से दूर रख सकती है!
इनके शरीर! जो मेग्नेटिक फील्ड से घिरे हैं!
नागराज के सर्प अब सिर्फ वार कर रहे थे-
विष भरे वार नहीं-
सरानी के साथी तो शेलजेल तक पहुंच ही नहीं पा रहे थे-
लेकिन सिन्टम की पर्त इस दूरी को तेजी से तय कर रही थी-

और अब झेलजेल के गलियारे भी सिन्टम की भेंट चढ़ना शुरू हो गए थे-
ओ गॉड! ये मेग्नेटिक फील्ड तो मुझे इंच-इंच करके आगे बढ़ने दे रही है! और सिन्टम की पर्त रॉकेट सी गति से आगे बढ़ती आ रही है!
मैं समय रहते मेग्नेटिक जेनरेटर तक नहीं पहुंच सकती!
लेकिन मेरा मेगाप्यूटर शायद पहुंच सकता है! उम्मीद करती हूं कि जेनरेटर का इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम अभी भी काम कर रहा होगा!
विश्लेषी, कंप्यूटर टर्मिनल के द्वारा मेग्नेटिक जेनरेटर से संपर्क बनाने की कोशिश कर रही थी-
पर उसके पास अब गिनती की घड़ियां बची थीं-
ओ गॉड! ओ गॉड! हेल्प मी! हेल्प मी!
नागराज और समय पाने की कोशिश कर रहा था-
अरे! मेरी गन!
मेरी भी!
अब देखते हैं इन गन्स का असर तुम पर क्या होगा?

नहीं! बचो!
गजब की धातु है ये सिन्टम!
शेलजेल तेजी से इसमें घिरती जा रही है!
अंदर विश्लेषी के साथ-साथ मेगाप्यूटर को भी सिन्टम अपने आगोश में लेता जा रहा था-
बस! एक पल और! एक पल और!
लेकिन विश्लेषी को वह एक पल नहीं मिला-
और अब नागराज का वक्त भी खत्म हो रहा था-
अब नागराज के मूर्ति बनने में भी एक इंच और एक पल की दूरी थी-
क्योंकि इस बार उसने मीस के कंधों पर खड़े होने की गलती कर दी थी-
आऽऽऽऽ

आऽऽऽऽह!

अरे! सिन्टम की पर्त मुझ पर क्यों नहीं चढ़ रही है? क्या मेरे चारों तरफ भी कोई सुरक्षा... कवच...

अरे! सिन्टम कहां चला गया?

और... और झेलजेल भी गायब है! --- विश्लेषी! तुमने कमाल कर दिया!

कमाल तो है नागराज! क्योंकि मैं समझ रही थी कि काम अधूरा रह गया! पर जेनरेटर का कंप्यूटर सिस्टम मेरा कमांड ले चुका था!

लेकिन अगर मेगनेटिक फील्ड बंद हो गई है तो सरानी और झेल जेल के साथ तुम दोनों को भी अपने आयाम में वापस चले जाना चाहिए था!

जाएंगे जरूर नागराज! पर अपनी बारी आने पर! मेगनेटिक जिप धीरे-धीरे खुल रही है! चीजें जिस क्रम में दूसरे आयाम में आई हैं, उसी क्रम में वापस जाएंगी!

तुम्हारे आयाम के मानव भी नहीं बचेंगे, नागराज!

ये सही कह रही है नागराज!

इस समस्या का हल तो तुम्हारे पास ही है, नागराज!
तुमने इसका हल खुद मुझे बताया था!
मैंने! मेरे पास इसका कोई हल नहीं है, वेदाचार्य! मैं इस पृथ्वी को छोड़कर हमेशा के लिए उस पृथ्वी पर नहीं जा सकता!
वैसे भी चुंबकीय हलचल खत्म न होने के बाद अब मेरा उस आयाम में जा पाना संभव भी नहीं है!
तुम्हारा नहीं है नागराज!
लेकिन तुम्हारे रूप का तो है!
मेरा रूप?
मैं कुछ समझा नहीं!
वह रूप जिसके अंदर तुम्हारे जैसा ही घातक विष होगा!
तुम्हारा रूप! यानी तुम्हारा पुत्र!
मेरा पुत्र! पर ये असंभव है दादाजी! बगैर विवाह के पुत्र कैसा?
हमारा इतिहास और हमारे पुराण ऐसे उदाहरण से भरे पड़े हैं नागराज। समाज की भलाई के लिए कई बार लोगों ने आश्चर्यजनक निर्णय भी लिए हैं!
मैं तुमको विवाह की सलाह नहीं दे रहा हूं नागराज। मैं अपनी तिलिस्म शक्ति से तुम्हारे पुत्र को नागरानी के गर्भ में स्थापित कर सकता हूं!
अगर मैं मान भी जाऊं दादा वेदाचार्य तो भी जन्म की प्रक्रिया में नौ महीने लगते हैं!
इतने दिनों में तो इस पृथ्वी की आबादी वैसे ही खत्म हो जाएगी!
और साथ में शायद इस पृथ्वी की आबादी भी!
तिलिस्म ऊर्जा नौ महीने की प्रक्रिया को नौ घंटे में भी पूरा कर सकती है नागराज! पर निर्णय तुमको तुरंत लेना पड़ेगा! क्योंकि कुछ ही पलों बाद नागरानी अपने आयाम में वापस चली जाएगी! ये अंतिम मौका है नागराज!

यह स्पष्ट है कि मेरे निर्णय पर ही दो आयामों के अरबों मानवों की जिन्दगियां निर्भर कर रही हैं।
मैं इतनी जिन्दगियों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता।
मैं पुत्रदान के लिए तैयार हूं दादा वेदाचार्य!
ठीक है नागराज!
फिर मैं तिलिस्मी प्रक्रिया शुरू करता हूं!
ओह! धन्यवाद वेदाचार्य! मुझे यकीन ही नहीं हो रहा है कि मेरे गर्भ में नागराज का पुत्र है!
अरबों जीवों का जीवन दाता!
जाओ, नागरानी! तुम्हारा पुत्र तुम्हारे आयाम में जाकर ही जन्म लेगा और तुम्हारी पृथ्वी का रक्षक बनेगा!

मैं भी तुमको कुछ देना चाहती हूं, नागराज!
अपना हाथ बढ़ाओ!
तुम मुझको क्या देना चाहती हो, विसर्पी?
ये!
ये...ये तो हमारी सगाई की अंगूठी है!
हां, नागराज! तुमसे संबंध-विच्छेद का फैसला लेने के बाद मैं इसको अपने पास रखना उचित नहीं समझती!
संबंध-विच्छेद! ये तुम क्या कह रही हो, विसर्पी?
ये क्या बोल रही हो दीदी? क्या तुम इसका मतलब समझ रही हो?
नागराज ने जो कुछ भी किया वह मेरे दबाव के कारण किया और अरबों की जिन्दगियां बचाने के लिए किया!
इसमें इसका कोई दोष नहीं है!
दोष किसी का भी नहीं है दादाजी! दोष परिस्थितियों का है! मैं चाहती थी कि मैं नागराज से विवाह करूं, अपना घर बसाऊं! नागराज की पहली संतान को जन्म दूं!
परंतु अब मुझे पता है कि नागराज का पहला पुत्र पैदा हो रहा है! चाहे वह किसी दूसरे आयाम में ही क्यों न हो!
और इस स्थिति को मैं स्वीकार नहीं कर पा रही हूं!
मुझे विदा दो नागराज!
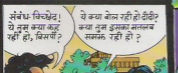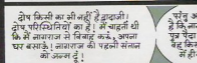
अलविदा, नागराज!
और फिर-
नागद्वीप में-
सारी चीजें धरती पर वापस आ गईं, दीदी!
अपनी-अपनी जगह पर!
सबसे खुशी की बात तो ये है कि नागद्वीप भी वापस आ गया!
सब वापस आ गया विषांक!
पर नागराज चला गया!
मैंने सुना दीदी! पर आपने क्या सचमुच नागराज से अपनी शादी नागरानी के कारण तोड़ दी?
एक कारण वह भी था विषांक!
पर छोटा सा! बड़ा कारण तो नागद्वीप है! महात्मा कालदूत के जाने के बाद अब नागद्वीप को मेरी बहुत ज्यादा जरूरत है!
नागराज से भी ज्यादा!
हां, पगले! नागराज से भी ज्यादा!
क्योंकि अगर नागद्वीप है तो पृथ्वी है!
ऐसा क्या खास है हमारे नागद्वीप में? मैंने तो अभी तक कुछ भी ऐसा खास नहीं देखा, दीदी!
किसी ने भी नहीं देखा है, विषांक!
पर वक्त आने पर तुम भी देखोगे और ये दुनिया भी देखेगी...
...कि पृथ्वी को संचालित करने वाली शक्ति का केंद्र नागद्वीप है!
समाप्त